उस इंसान को कोई मुकाबला नहीं कर सकता जिसके पास सब्र की ताकत है।
– अज्ञात

विज्ञान की नई रोशनी

सूर्य की भूमध्यरेखा एक ऐसी संरचना है जो अब तक देखी नहीं गई थी। कोरोनल छिद्र अपेक्षाकृत ठंडे और कम घनत्व वाले क्षेत्र हैं जिनसे होकर चुंबकीय रेखाएं अंतरिक्ष में पहुंचती हैं। इन्हीं छिद्रों के जरिए आवेशित कणों का प्रवाह होता है।

अनमोल

सूर्य के रहस्यों पर विज्ञान की नई रोशनी पड़ना एक बड़ी उपलब्धि है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यान पार्कर सोलर प्रोब ने सौर परिवार के मुखिया के बारे में पहली बार कुछ ऐसी जानकारियां उपलब्ध कराई हैं, जिससे हमारे इस सबसे नजदीकी तारे को जानने–बूझने की कोशिशें रफ्तार पकड़ सकती हैं।

पार्कर सोलर प्रोब पहला अंतरिक्ष यान है जिसने सूर्य के इतने नजदीक से उड़ान भरी है। अभी उसने सूर्य से डेढ़ करोड़ मील या 2.4 करोड़ किमी की दूरी से तस्वीरें भेजी हैं और आगे वह 60 लाख किमी तक निकट जाएगा जो 1976 में हेलियस–2 द्वारा पार की गई सीमा से सात गुना नजदीकी मानी जाएगी। पार्कर ने सूरज के झुलसाने वाले घेरे की पहली तस्वीर भेजी है जिससे कई तरह के रहस्यों से पर्दा उठने की उम्मीद है। जैसे सूरज का आभामंडल यानी कोरोना उसकी सतह के सौ गुने से भी ज्यादा गर्म क्यों है, और सौर हवाओं की उत्पत्ति कैसे होती है। ये शोध निष्कर्ष 'नेचर' जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

शोध टीम के अनुसार वहां लगातार चल रही गतिविधियों को पहली बार पार्कर की नजरों से ही देखा गया। कोरोना के चुंबकीय ढांचे का प्रेक्षण लेना संभव हो सका जिससे पता चला कि सौर हवाएं कोरोना के सुराखों से बाहर आती हैं। वहां धूल का भयावह अंबार भी दिखा। इससे पहले वैज्ञानिक मानते थे कि सौर हवाएं दो तरह की हैं। एक बहुत तेज, जो 700 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से चलती हैं और सूर्य के ध्रुवीय क्षेत्र के विशालकाय कोरोनल छेदों से निकलती हैं। दूसरी धीमी, जो 500 किमी प्रति सेकंड तक की रफ्तार पकड़ती हैं लेकिन इनकी उत्पत्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

पार्कर ने धीमी हवाओं के स्रोत को खोजा है। ये सूर्य की भूमध्यरेखा के चारों ओर स्थित रंग–बिरंगे सुराखों से निकलती है। सूर्य की भूमध्यरेखा एक ऐसी संरचना है जो अब तक देखी नहीं गई थी। कोरोनल छिद्र अपेक्षाकृत ठंडे और कम घनत्व वाले क्षेत्र हैं जिनसे होकर चुंबकीय रेखाएं अंतरिक्ष में पहुंचती हैं। इन्हीं छिद्रों के जरिए आवेशित कणों का प्रवाह होता है। पार्कर ने यह भी पता लगाया कि सौर हवा में कणों का विस्फोट तूफानी हवा के रूप में होता है, न कि धीमी चलने वाली हवाओं के रूप में। सूर्य के आंतरिक भाग से ऊर्जा का उसके आभामंडल में इतनी तेजी से फूटना यह बताता है कि इसका अदृश्य हिस्सा दृश्य सतह की तुलना में इतना ज्यादा गर्म क्यों है। सूर्य के नजदीकी क्षेत्र का धूल भरा होना भी वैज्ञानिकों के लिए हैरत की बात है। माना जा रहा है कि क्षुद्रग्रह और पुच्छल तारे इसके नजदीक आने के बाद भाप में बदल कर धुंध की तरह इसके आसपास छा जाते होंगे। बहरहाल, यह तो एक शुरुआत है। पार्कर के सामने अभी कई काम बाकी हैं। देखना है, सूर्य के बारे में वह क्या–क्या खोजकर लाता है।

किसी मोड़ परैं

धर्म-दर्शन

रजनीश। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हमारे शरीर में बढ़ती आयु के चिह्न दिखने लगते हैं। हालाँकि 'जिनोम प्रोजेक्ट' द्वारा वैज्ञानिक उस 'जीन' या गुणसूत्र को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जो आयु के बढ़ने के लिए उत्तरदायी है, और हो सकता है कि एक दिन ऐसा भी आये जब अनेक लोग सौ वर्षों से भी अधिक समय के लिए जियें, लेकिन फिर भी ऐसा एक दिन अवश्य आता है जब हमारा शरीर उतनी अच्छी तरह काम नहीं कर पाता जितना कि युवावस्था में करता था। परंतु हमें इस बात से निराश नहीं होना चाहिये। वृद्धावस्था में कई लोगों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता, लेकिन यह बात उन्हें अपनी आत्मा की गहराई में शांति प्राप्त करने से रोक नहीं पाती। इसी प्रकार हम भी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद मानव जीवन का भरपूर लाभ उठा सकते हैं। अंतर में प्रभु के संपर्क में आकर और उनके दिव्य प्रेम का अमृत चखकर हम वो प्रेम दूसरों में भी बाँट सकते हैं।

संपादकीय

नेता में आत्मविश्वास

सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री आमतौर पर अपना मंत्रिमंडल गठित करते हैं लेकिन आंध्र प्रदेश के नए सीएम जगन मोहन रेड्डी ने मंत्रिमंडल के साथ–साथ एक उप मुख्यमंत्री मंडल भी बना डाला है। राज्य कैबिनेट में 5 डिप्टी सीएम होंगे– अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और कापू समुदाय, हर एक से एक–एक। भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसा अब तक नहीं हुआ। जगन मोहन रेड्डी ने विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। जाहिर है, सामान्य वर्गों के अलावा उन्हें इन पांचों समुदायों का भी समर्थन मिला है और वे चाहते हैं कि अपने प्रशासन में इन्हें समुचित प्रतिनिधित्व दें। जगन की मंशा सही हो सकती है पर उनका यह तरीका हमारे सिस्टम को हल्का बना रहा है। संविधान में तो उप प्रधानमंत्री या उप मुख्यमंत्री जैसे किसी पद का प्रावधान ही नहीं है। विशेष स्थितियों में किसी मंत्री को ही उप प्रधानमंत्री या उप मुख्यमंत्री की गरिमा देने का चलन जरूर बन गया है, लेकिन व्यवहार में वे एक सामान्य मंत्री की तरह ही काम करते हैं। अलग–अलग समुदायों का प्रतिनिधित्व दिखाने के लिए एक या दो उप मुख्यमंत्री बनाने का चलन भी इधर चल पड़ा है। असल में यह एक नेता में आत्मविश्वास की कमी का सूचक है। शायद मुख्यमंत्री को यह भरोसा नहीं है कि अपने कामकाज से वे राज्य की पूरी जनता का दिल जीत सकते हैं। या शायद जगन को यह डर है कि विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि कहीं बीच में ही उनका साथ न छोड़ दें। क्या इसी से बचने के लिए जगन ने उन्हें उप मुख्यमंत्री का पद बतौर एडवांस पेश कर दिया है? अच्छा हो कि आंध्र प्रदेश के तमाम डिप्टी सीएम खुद ही इस ओहदे से हाथ जोड़ लें।

दोनों देशों के साझा बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं को विश्व में नेतृत्वकारी भूमिका अदा करनी चाहिए। इस मौके पर एक और अहम फैसला हुआ।

रूस और चीन के संबंध

आशा

अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के मौके पर चीन और रूस ने आपसी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए कुछ और कदम आगे बढ़ाए हैं। इस अवसर पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग रूस के दौरे पर गए। इस दौरान दोनों मुल्कों ने एक साझा बयान जारी किया और उनके बीच प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए 20 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के सौदे पर हस्ताक्षर भी हुए। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार 108 अरब डॉलर से बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष करने का लक्ष्य रखा है जो पिछले साल से 24.5 प्रतिशत ज्यादा है।

एक समारोह के दौरान चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस और चीन के बीच संबंध अंतरराष्ट्रीय शांति के गारंटर के रूप में काम करते हैं और अन्य देशों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण पेश करते हैं। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया। दोनों देशों के साझा बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं को विश्व में नेतृत्वकारी भूमिका अदा करनी चाहिए। इस मौके पर एक और अहम फैसला हुआ। रूस ने अपने देश में चीनी टेलीकॉम कंपनी हुआवे को 5जी तकनीक के विकास की अनुमति दे दी है। हुआवे ने रूसी टेलीकॉम कंपनी एमटीएस के साथ अगले साल देश में 5 जी नेटवर्क विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह निर्णय निश्चय ही अमेरिका को चुभेगा।

पिछले दिनों अमेरिका ने जासूसी के संदेह में हुवावे पर प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसे में रूस ने उसे सहारा दिया है जिसे अमेरिकी प्रेजिडेंट ट्रंप शायद ही पसंद करें। सच्चाई यह है कि यह मुलाकात ही अमेरिका पर दबाव बढ़ाने के लिए की गई है। इस समय चीन और अमेरिका का ट्रेड वॉर खतरनाक दौर में पहुंचा हुआ है। दूसरी तरफ, अमेरिका और रूस में भी अनेक मुद्दों को लेकर तनातनी जारी है। यही वजह है कि रूस और चीन अतीत की कड़वाहट भुलाकर एक–दूसरे के करीब आए हैं। खासतौर से पिछले एक दशक में दोनों की नजदीकी बढ़ी है, न सिर्फ व्यापारिक बल्कि रक्षा सहयोग भी बढ़ा है।

यूक्रेन के क्रीमिया संकट के दौरान जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए तो चीन उसकी मदद के लिए आगे आया। दोनों ने मिलकर अमेरिका पर वैश्विक मामलों में आक्रामक रुख अपनाने का आरोप लगाया। उत्तर कोरिया और सीरिया को लेकर चीन और रूस का रुख एक जैसा है। बीते साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र में रूस और चीन ने कहा कि दुनिया एक महाशक्ति के दौर से निकलकर बहुध्रुवीय ताकतों वाले युग में जा रही है। निश्चय ही यह अमेरिका पर एक कड़ी टिप्पणी है। रूस और चीन की साझेदारी दुनिया में शक्ति के संतुलन में सहायक है। यह एक आश्वासन भी है कि विश्व में बहुपक्षीयता और सामूहिकता बनी रहेगी।

अष्टयोग-4892

3		4		7		2
	33		34		30	
5		7	1	2		4
4	30		25		34	
1		3		5	6	
	36		34		31	3
	6	5	4		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4891 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	36	6	27	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	36	6	32	4	34	3
5	6	7	1	2	3	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

जमीयत खुद को मुसलमानों की सबसे बड़ी संस्था

युसुफ किरमानी। जमीयत खुद को मुसलमानों की सबसे बड़ी संस्था बताती है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के 101 संस्थापक सदस्य हैं जिसमें तमाम फिरकों के मौलाना और आलिम लोग शामिल हैं। फैसला आने के बाद बोर्ड ने अपनी कुछ बैठकें कीं और इस नतीजे पर जा पहुंचा कि देश के 99 फीसदी मुसलमान पुनर्विचार याचिका दायर किए जाने पर सहमत हैं। उनकी राय को ध्यान में रखते हुए ही उसने इस दिशा में आगे बढ़ने का फैसला लिया है। बोर्ड के सदस्यों के पास पता नहीं कौन सा औजार है जिसके जरिए वह इस नतीजे पर जा पहुंचा कि जो बोर्ड चाहता है वही 99 फीसदी मुसलमान भी चाहते हैं। बोर्ड अगर अपने 101 सदस्यों के बीच वोटिंग कराए तो उसमें भी 99 फीसदी सदस्यों की राय पुनर्विचार याचिका के पक्ष में नहीं मिलेगी। बोर्ड अगर इसे 99 फीसदी मुसलमानों की राय न बताकर खुद अपने संगठन की हैसियत से याचिका दायर करने की बात कहता तो किसी को ऐतराज नहीं होता। जिस बोर्ड के गठन में दस फीसदी आम मुसलमान भी शामिल नहीं हैं।